

## II.

Jě | t'ē|mě | jān|t̄l | œ|zeō,  
Ki | t'an | re| viēns | le | prin|tans  
Ché- n̄s | re| f̄| re| ton | ni :  
É | puis | l'i| v̄r| te | p̄r|dant  
Droët | sur | le | Nil | tu | t'an | vas  
De| v̄r| le | Ké|r' ā | Mén|fis :  
Me|s ḡ | de|dans | de | mon | k̄r|  
A|m̄s| se | ni|che | t̄s|j̄rs.  
A | un | pe|tit | Ku|p̄i|don  
La | plu|me | p̄s|se | d̄e|ja :  
L'ō|tr' an | ko|r̄ êt | de|dan | l'ef :  
L'ō|tr' ā | de|mī| se | mon|trant  
De|hōr| la | k̄o|k̄e | s'e|klōt :  
É | l̄e- | pe|tis | Ku|p̄i|dons  
T̄s|j̄s|r̄s ī | kr̄i| ē|t un | kri,  
Le | b̄e| k̄s| v̄r|t e| b̄e| ant.  
Lā | l̄e- | pe|ti|s a|m̄s|s| sont  
D̄e- | j̄kran| de|l̄e|s a|p̄â|t̄s,  
Ki | t̄ō|t a|pr̄|s e|tan- | drus  
An | font | de|z ḡ|tres | kr̄l̄er.  
É | k̄el | re|m̄d'| ā | mon | mal,  
Kant | se|le|mant | ne | p̄ū|-pas  
Tant | tant | d'a|m̄s|s| de|j̄k̄or|j̄er  
Ki | son|t e|k̄l̄os | de|dan- | mœ.